प्राण अव्यक्त बापदादा का मधुर सन्देश (गुल्जार दादी)

आज बापदादा के पास सब लण्डन निवासी भाई बहिनों की और हमारी मीठी मीठी दादी की याद लेते हुए वतन में पहुंची तो क्या देखा, बापदादा सामने खड़े थे और दूर से ही मीठी दृष्टि में समाते हुए बोले ''आओ मेरे जहान की नूर बच्ची आओ'', बहुत मीठे बोल सुनते दृष्टि में समाते हुए मैं समीप पहुंच गई। बापदादा ने अपनी बांहों में समा लिया और अनोखे अलौकिक झूले में झुला रहे थे। कुछ समय इस अलौकिक आनंद में समाने के बाद बाबा बोले, बच्ची आज क्या समाचार लाई हो?

मैं बोली बाबा आज तो लण्डन के सेवा की और हमारी मीठी दादी जानकी के विदेश सेवा के 40 वर्ष के फंक्शन का समाचार लाई हूँ। सब तरफ के अनन्य बड़े भाई, बड़ी बहिनें ये सेरीमनी मनाने के लिए पहुंच गये हैं। सभी ने बहुत-बहुत दिल से यादप्यार दिया है। नये भवन के उद्घाटन का फंक्शन भी बहुत धूमधाम से सम्पन्न हुआ, (18 तारीख को मानचेस्टर में नये भवन का उद्घाटन दादी जानकी जी ने किया) बहुत वी.आई.पी. भी आये, कनेक्शन वाले बहुत खुश हो गये और सभा भी अच्छी आई।

ऐसे समाचार सुनते बापदादा के नयनों में हमारी मीठी दादी और आप डबल विदेशी समा गये। कुछ समय तो बापदादा इसी मिलन में ही बिजी थे। मैं भी देख देख खुश हो रही थे, दिल कह रहा था वाह डबल विदेशी निमित्त आत्मायें वाह! फिर कुछ समय बाद बाबा बोले, बच्ची बापदादा भी ऐसे निमित्त सेवाधारी बच्चों को देख खुश है कि भिन्न-भिन्न कल्चर, भिन्न-भिन्न धर्म होते भी बच्चों ने बापदादा को पहचान लिया और खुद के साथ-साथ दूसरों को भी बाप का बनाने लिए अच्छे उमंग-उत्साह से सेवा की लगन में लगे हुए हैं, आगे बढ़ते बढ़ाते रहते हैं। ऐसे बच्चों को देख बापदादा कितना खुश होते हैं। साथ में मुख्य सब तरफ के निमित्त बच्चों को भी देख बाप खुश है कि कैसे दिल की मेहनत और बाप की मुहब्बत में फुलवारी तैयार की है। ऐसे कहते बाबा ने मीठी दादी को अपनी बांहों में समा लिया और मुख्य बहिनों को जो शुरू से निमित्त बनी हुई हैं उन्हों को सामने बिठाकर बहुत-बहुत मीठी दृष्टि देते हुए बोले, **हर बच्चा मेरा प्योरिटी, प्रासपर्टी की मूरत है, गुरू भाई है।** बापदादा तो हर बच्चे को विश्व कल्याणकारी भावना और रहमदिल स्वरूप में देख बहुत खुश है क्योंकि विशेष विशेषता है जो पढ़ाई और पालना का बैलेन्स है, जिससे सबका वायुमण्डल, वायब्रेशन शक्तिशाली रहता है। स्वदर्शन चक्र के साथ विश्व के ग्लोब पर भी सारा दिन नज़र घुमाते किरणें देते रहते हैं। दिल भी बेहद की है। ब्रह्मा बाप समान निरन्तर सहजयोगी, कर्मयोगी, कर्मातीत सम्पूर्ण सम्पन्न स्टेज का लक्ष्य और लक्षण है। बनना ही है, करना ही है। विन और वन का जन्म सिद्ध अधिकार है, इस स्मृति से समर्थ हैं।

ऐसे वरदान देते बाबा ने कहा बापदादा की तरफ से आज हर एक बच्चे को स्पेशल दिल का दुलार, दिल का प्यार, दिल से वरदान देना क्योंकि सभी के सहयोग से ही सेवा में रौनक बढ़ी है और आगे भी बढ़ती रहेगी। बापदादा सबको सेवा प्रति बहुत-बहुत बधाईयां और मुबारक दे रहे हैं। अच्छा - ओम् शान्ति।